RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 41 अंक 48 हल्द्वानी सम्वत् 2083 सोमवार 4 मई 2026 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

अच्छी आदत मुश्किल से आती है

रमेश सिंह जंगपांगी से बातचीज

मूविंग स्कूल बहुत सिखाते थे

पेड़ के नीचे शिक्षक पत्थर की कुर्सी पर और शिष्य पिरूल पर बैठते थे।

बेरीनाग में हाईस्कूल बोर्ड के लिये दूर-दूर से जाते थे। नाचनी में कक्षा 5 बोर्ड परीक्षा होती

कार्यालय प्रतिनिधि

वर्तमान शिक्षा प्रणाली को लेकर बराबर सवाल उठ रहे हैं और शिक्षा के नाम पर पनप रहे उद्योग की सच्चाई मुंह चिढ़ाने वाली है जबकि हमारी गुरुकुल शिक्षा पद्धति ने बहुत कुछ दिया है। बेहद कठिनाई वाली जगहों पर भी शिक्षा की जो व्यवस्था रही है वह सबक देने के लिये काफी है। ऐसी ही कठिनाई से निकले श्रीमान रमेश चन्द्र जंगपांगी से बातचीज इस अंक में है। वह कहते हैं- बच्चों को ईमानदारी, सच्चाई का पाठ घर से ही मिलना चाहिए। अच्छी आदत मुश्किल से आती है। उदाहरण के लिये सुबह उठकर घूमना स्वास्थ्य के लिये लाभदायक है लेकिन इसके लिये उठना तो होगा ही।

जंगपांगी जी से बातचीज का सिलसिला आगे बढ़े, उससे पहले इनके बारे में बता दें- इनके दादा हुए भवान सिंह जंगपांगी। भवान सिंह के तीन पुत्र- रुद्रसिंह, पदम सिंह, हयात सिंह। फिर रुद्रसिंह जी के रमेश सिंह, जगदीश सिंह। पदमसिंह के प्रेम सिंह, प्रयाग, कुन्दन सिंह, मनोहर। हयात सिंह जी के विजय सिंह, पुष्कर सिंह, उमेद सिंह।

रमेश जंगपांगी का जन्म 13 अप्रैल 1949 को भकुंडा में हुआ। उन दिनों में माइग्रेशन स्कूल की व्यवस्था के तहत बुर्फू, दरांती और फिर भकुण्डा में इनकी पढ़ाई की शुरूआत थी। अपने बचपन की यादों पर लौटते हुए वह बताते हैं इनका स्कूल भकुण्डा व बमोरी के बीच धार में था। इस मूविंग स्कूल में पेड़ के नीचे शिक्षक पत्थर की कुर्सी पर बैठते थे और उनके शिष्य सल्ल की पिरुल घास बिछाकर नीचे बैठते थे। बमोरी में जंगपांगी परिवार रहते हैं, उसी तरह झरोली में भी जंगपांगी और सयाना परिवार।

मूविंग स्कूल या माइग्रेशन स्कूल एक विशेष प्रकार की शैक्षिक पहल है, जिसका उद्देश्य उन बच्चों को शिक्षा प्रदान करना है जो एक स्थान से दूसरे स्थान

शेष पृष्ठ 2 पर

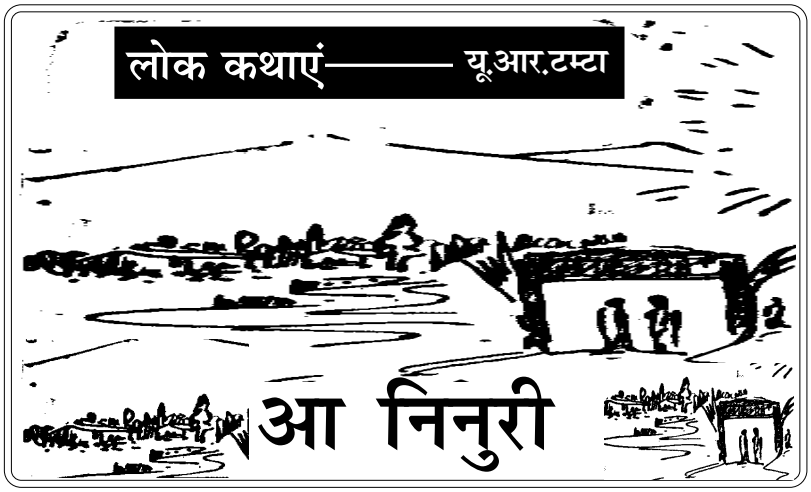

भारत के मीलपत्थर स्तम्भ के बाद पिघलता हिमालय अब 'लोक कथाएं' स्तम्भ शुरू कर रहा है। इसमें श्री उदय राम टम्टा द्वारा संकलित पहाड़ की लोककथाओं को प्रस्तुत किया जाएगा। मूलरूप से डम्डे, गंगोलीहाट के रहने वाले यू.आर.टम्टा वाणिज्य कर विभाग के उच्चाधिकारी रहे लेकिन बचपन से जिस लोकधारा को उन्होंने जिया, वह उसी में रमते थे और बहुत ही सादगी का जीवन जीने वाले इस विद्वान ने कभी भी लोभ लालच नहीं किया बल्कि चाहा कि बुजुर्गों की सीख और उनके मुंह सुनी कथा-कहानियाँ प्रचलित रहें, ये हमें सीख देती हैं। तो शुरू करते हैं पहली कथा 'आ निनुरी' -सम्पादक

कई वर्षों तक प्रतीक्षा करने के बाद राजा को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई थी, इसलिए इस अवसर पर राजभवन में तरफ-तरफ की खुशियाँ मनाई जा रही थीं। नामकरण संस्कार के दिन पूरे राज्य में विशिष्ट व्यक्तियों तथा पड़ोसी राज्य के राजाओं को आमंत्रित किया गया था। रानी के लिये इस अवसर पर महंगे परिधान सिलवाये गये थे। रानी जब राजसी परिधानों से विभूषित हुई तो उसने हीरों से जड़ित नौलख हार निकालने के लिये तिजोरी खोली। पर वह उसे देख कर स्तब्ध रह गई। वहाँ वह हार नहीं था। इतना कीमती हार इस मजबूत तिजोरी के अलावा कहीं रखा भी नहीं जाता था। आज ही हार पहिनने का उत्तम अवसर था, परन्तु हार नहीं मिल रहा था। राज्य में धनधान्य की कमी नहीं थी, परन्तु इस तरह के हार न तो बने-बनाये मिलते थे और न ही इन्हें तुरन्त बनवाया जा सकता था। इसे अत्यन्त कुशल कारीगरों को भी तैयार करने में कई महीने लग जाते थे। अतः पुत्र जन्म की खुशी के इस अवसर पर भी राजमहल में मातम सा छा गया। पूरा राजमहल छान डाला गया, संदिग्ध लोगों को पकड़ लिया गया, उन्हें तरह तरह की यातनायें दी गई परन्तु हार न मिलना था, न मिला। अन्त में यह निर्विवाद रूप से मान लिया गया कि हार चोरी चला गया है, पर प्रश्न था कि सुरक्षित राजमहल में हार की चोरी किसने और कैसी की? यह हार की चोरी का मामला भर न था बल्कि इससे राजकोष एवं स्वयं राज्य व राज परिवार की सुरक्षा का भी मामला जुड़ गया था।

हार की चोरी का पता लगाने के लिये चारों ओर जासूस लगाये गये परन्तु कोई सुराग नहीं मिल सका। ज्योतिषि, ओझा, तान्त्रिक सबकी मदद ली गई, पर निश्चित रूप से यह कोई नहीं बता पाया कि हार की चोरी किसने की और हार इस समय कहाँ है? राज्य के तमाम जौहारियों के यहाँ भी खुफियातौर पर जाँच की गई कि वहाँ कोई व्यक्ति हार बेचने के लिये तो नहीं आया, पर इसका भी कोई परिणाम नहीं निकला। इस तरह कई महीने बीत गये और हार की खोज का प्रकरण लगभग समाप्त सा हो गया।

एक दिन राजा के दरबारियों को खबर मिली कि पास गाँव बुगाली में पिरमू नाम के आदमी में देवी का अवतार हुआ है और वह चोरी, व्याधि, भूत, भविष्य के बारे में सटीक जानकारी देता है। अतः पिरमू को तुरन्त बुलाने सिपाहियों को भेजा गया।

बुगाली का पिरमू कोई तान्त्रिक, ज्योतिषी या भविष्यवक्ता नहीं था, बल्कि एक साधारण परन्तु परिश्रमी किसान था।

शेष पृष्ठ 5 पर

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

पर्यटन के साथ-साथ शालीनता भी जरूरी है

जिसको देखो, उत्तराखण्ड में पर्यटन विकास की बात करने लगता है और यह सुनकर मन को सकून मिलता है कि लाखों लोग देवभूमि के दर्शन को आएंगे, स्वरोजगार की बाढ़ आ जाएगी, युवाओं का पलायन रुक जाएगा, हमारी संस्कृति संवर जाएगी। पर्यटन स्थलों में पर्यटक सुविधाओं को विकसित करने की दिशा में कदम भी बढ़ाए जा रहे हैं। टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये कार्बेट में बिजरानी, गर्जिया, ढेला व झिरना पर्यटन जोन की शुरुआत है। ढिकाला जोन में एस्ट्रो टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिय टेलीस्कोप लगाने का प्रस्ताव है। मसूरी व नैनीताल में जाम से निजात दिलाने को पार्किंग विस्तार की योजना है। चारधाम यात्रा सहित ओम पर्वत, आदि कैलास यात्रा के पैकेज चल रहे हैं। यह सब बहुत अच्छी बात है कि साहसिक व धार्मिक पर्यटन की ओर देश-विदेश के सैलानियों का मन इधर है परन्तु पर्यटन को केवल ऐसा मनोरंजन न बना दिया जाए जो इस देवभूमि को अन्दर ही अन्दर खोखला करने लगे।

देखने में आ रहा है कि लगातार स्पा सेन्टरों के नाम पर गड़बड़ हुई हैं। धार्मिक पर्यटन के नाम पर जिस प्रकार से अराजकता फैलाई जा रही है वह संस्कृति के खिलाफ है। जाम से बेहाल मुख्य मार्गों पर यात्री परेशानी दिखाई दे रहे हैं। पर्यटक स्थलों पर उपज रहे झगड़े दिखाई दे रहे हैं। इन सभी तरह की गड़बड़ियों को रोकने के लिये शासन-प्रशासन अपने तरीके से कार्य करेगा लेकिन स्थानीय लोगों को भी सावधानी बरतनी जरूरी है। अपने कारोबार को बढ़ाने के लिये प्रयोग किये जा सकते हैं और पर्यटकों की सुविधा के लिये बेहतर कदम उठाए जाने चाहिए लेकिन हमेशा इस बार का स्मरण रहे कि हमारी उपज क्या है और हम क्या करने जा रहे हैं। यदि अपने आर्थिक लाभ के लिये देखा-देखी करेंगे तो इसका कुप्रभाव आने वाले समय में होगा। पर्यटन के साथ-साथ शालीनता भी जरूरी है। प्राकृतिक सुन्दरता के साथ शालीन प्रवृत्ति हमारे पर्यटन व संस्कृति को मजबूत करेगी।

देश-विदेश की प्रमुख घटनाएं

अश्लील पोस्ट पर एफआईआर

चण्डीगढ़। सोशल मीडिया पर फर्जी, भ्रामक और अश्लील सामग्री प्रसारित करने के मामले में पुलिस ने लेखिका मधु किश्वर समेत कई सोशल मीडिया खातों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। इनके खिलाफ शिकायत दर्ज होने पर पुलिस ने जांच शुरू कर दी है।

तस्करी के आरोप में पकड़ा गया

कोलम्बो। श्रीलंका के बन्दारनायके अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ड्रग्स तस्करी के आरोप में एक भारतीय नागरिक पकड़ा गया। 38 वर्षीय आरोपी के पास एक किलो से अधिक कुश नामक ड्रग्स बरामद की गई। कुश, एक सस्ता लेकिन बेहद खतरनाक सिंथेटिक ड्रग्स है।

वित्तीय विवाद के बीच इस्तीफा

काठमाण्डू। नेपाल के गृहमंत्री सुदन गुरुंग ने वित्तीय आचरण से सम्बन्धित आरोपों के बाद इस्तीफा दे दिया। एक विवादास्पद व्यवायी के साथ व्यापारिक सम्बन्धों और शेयरों के लेनदेन को लेकर वह निशाने पर थे। गुरुंग 27 मार्च को गृहमंत्री नियुक्त हुए थे।

एआई लेबल पूरे समय दिखना चाहिए

नई दिल्ली। सरकार ने सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) सम्बन्धी नियमों को और सख्त करने का प्रस्ताव दिया है और इस बार खास तौर पर जोर दिया गया है कि उपयोगकर्ता एआई से बनी सामग्री की पहचान ऑनलाइन कैसे कर सकते हैं। इसमें वीडियो में एआई का लेबल पूरे समय साफ दिखना चाहिए।

प्रवासी भारतीय जर्मनी-भारत के सेतु

बर्लिन। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जर्मनी में रहने वाले करीब 3 लाख भारतीय प्रवासियों को दोनों देशों के बीच सबसे मजबूत सेतु बताते हुए कहा कि उन्होंने व्यापार, प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, शिक्षा और कला जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। रक्षा मंत्री अपनी तीन दिन की यात्रा पर जर्मनी आए और प्रवासी समुदाय के साथ सम्वाद भी किया।

सुरक्षा परिषद में सुधार की आवश्यकता

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार मिशेल बाचेलेत ने कहा कि सुरक्षा परिषद में वास्तव में सुधार और स्थायी तथा अस्थायी दोनों श्रेणियों में अधिक प्रतिनिधित्व की आवश्यकता है, वह इस दिशा में काम करेंगी।

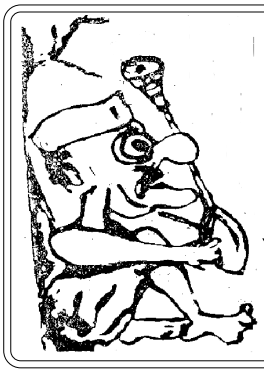

फसक

दाज्यू, असल-नकल सब मिसी गया ठैरा

जब नंग्योई में उतर जाओ तो सब सतरंगी दिखाई देता है बल

दाज्यू, रुद्रपुर में राजनीति की सरपट के बीच दिनेशपुर में नकली शुगर की दवाइयां और वन्यजीवों के अंग बरामद हो गये। आयुर्वेद की आड़ में नकली दवा फैक्ट्री चल रही थी बल। प्रशासन को मिली सूचना पर जब छापेमारी हुई तो असला और मसला निकल गया। दाज्यू, ये तो आयुर्वेद का नकली है, अब तो आदमी भी नकली निकल रहे हैं। असल-नकल सब मिसी गया ठैरा। अपनी जुवान पर कायम रहने वाले कितने जो होंगे? अरक्या फरक्या के देख लो, सब उतावले हैं। जब नंग्योई में उतर जाओ तो सब सतरंगी दिखाई देता है बल। बलराम सिंह ने निशाना लगाने की दुकान खोल ली है। निशाने पर आ चुके झपझपान हो रहे हैं।

दाज्यू, रामनगर में वन कर्मियों में फिर से फायरिंग हो गई। वन वीट अधिकारी अवैध तरीके से पेड़ कटाई करने लोगों को रोकने गये थे बल तभी उन पर फायर झौंक दिया। जंगल चोरी और खनन को लेकर रामनगर में कई तर चुके हैं बल। काशीपुर में घपलत बढ़ती ही जा रही है। अब महादेव नगर (ढकिया कलां) निवासी एक सिख परिवार ने स्थानीय व्यापारियों पर करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी और जानलेवा धमकी का आरोप लगाते हुए कोतवाली में प्रदर्शन किया है।

दाज्यू, तेर पिसू में म्यार पिसू (तेरे आटे में मेरा आटा) जैसा हो रहा है। इस मिस्यार में जसपुर के विधायक और पूर्व विधायक का सल्ला हो गया। प्रतिमा लगाए जाने को लेकर खूंखार दिखाई दे रहे इन नेताओं का समझौता सामाजिक संगठनों ने कराया। विधायक रानी लक्ष्मीबाई और पूर्व विधायक अग्रसेन की मूर्ति लगाने को लेकर कई दिनों तक उलझे रहे। समझौते के बाद खूब ढोल नगाड़े बजे। दाज्यू, यह सब क्या जैसा होने लगा है आजकल। शिष्टाचार भेंट और सोशल मीडिया पर अगड़म-बगड़म सबकुछ। दाज्यू, जागेश्वर धाम में बरेली के डीएम असलहा लेकर पहुंचे तो पण्डित जी भड़क गये। दाज्यू, डीएम सैप का रौब होने वाला ठैरा तो वह मान लेते हैं कि भगवान भी.....। पुजारी कह रहे हैं सदियों पुरानी परम्परा का उल्लंघन हुआ है। किस-किस को समझाया जाए कि उल्लंघन का मतलब, अपने मतलब के हिसाब से होने वाला हुआ। हरिद्वार नगर कोतवाली क्षेत्र में डण्डे और पत्थर से हमला कर एक साधु को मौत के घाट उतार दिया। युवा साधु की मौत से हड़कम्प मचा है। पुलिस जांच-पड़ताल में व्यस्त है।

दाज्यू, प्रकृति का अपना नियम है, तभी तो बागेश्वर में लगातार तीन दिन भूकम्प के झटके महसूस हुए। टनकपुर में जूते-चप्पल की दुकान चलाने वाले मियाँ जी ने उनकी दुकान पर काम करने वाली दो गरीब महिलाओं से दुष्कर्म कर दिया बल। दुकानदार पार्टी नेताओं के साथ भी लिप्सा रहता था तो नेता एक-दूसरे पर मुंहबम गिराने लगे हैं। दाज्यू, राजधानी दून में नए मंत्रियों को विभाग आवंटन के बाद यमुना कॉलोनी में मंत्री आवास मिलने हैं लेकिन आवंटन से पहले ही मंत्रियों ने बंगलों पर नेम प्लेट लगवा ली। तभी तो कहने वाले हुए कि पहले आओ, पहले पाओ। जब घपोराघपोर हो रही है तो यह भी सही।

-तुम्हारा भुली झकरुवा

मूविंग स्कूल.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

पर लगातार यात्रा करते हैं। इन स्कूलों में बच्चों को एक स्थान से दूसरे स्थान पर शिक्षा प्रदान की जाती है ताकि उनकी पढ़ाई में व्यवधान न आए। बच्चों को उनकी तत्कालीन स्थिति और आवश्यकताओं के अनुरूप शिक्षा दी जाती थी। इन स्कूलों में बच्चों को मानसिक और भावनात्मक समर्थन भी प्रदान किया जाता है। मूविंग स्कूल बहुत सिखाते थे। इसके पीछे गुरुजनों की लगन और बच्चों की ललक काफी थी। श्री जंगपांगी बताते हैं कि कक्षा 5 की बोर्ड परीक्षा के लिये वह नाचनी जाते थे। विद्यार्थी नाचनी जाकर ही रुकते थे। हाईस्कूल बोर्ड की परीक्षा के लिये बेरीनाग में दूर-दूर से विद्यार्थी पहुंचते थे। 1965 में हमारा दल भी बेरीनाग गया। मुनस्यारी में इण्टर करने के बाद अल्मोड़ा में बीए किया और एमए में प्रवेश ले लिया। उस बीच एलआईसी में सेवा का अवसर मिला तो तीन साल सन् मेरठ जाकर ट्रेनिंग की। 1971 से 74 तक देहरादून रहने के बाद अल्मोड़ा, 76 में पिथौरागढ़ और 86 में पदोन्नति पर हल्द्वानी आना हुआ। प्रशासनिक अधिकारी बनकर पहली पोस्टिंग पीलीभीत हुई। 1980 में हल्द्वानी में नया डिविजन खुला तो यहीं आ गये। इस बीच राजकाज के सिलसिले में बरेली, अलीगढ़ भी जाना हुआ। जन 2009 में सेवानिवृत्त रमेश जंगपांगी श्रीमती उमा देवी जंगपांगी उत्तरांचल कालोनी हल्द्वानी में निवास करते हैं। इनकी विवाहित पुत्रियां- तारा (दिल्ली में शिक्षिका), कान्ता (मुम्बई में), डॉ. भावना (हल्द्वानी में), कविता (एसबीआई हल्द्वानी में) हैं। अपने समय के बेहतरीन खिलाड़ियों में गिने जाने वाले रमेश जंगपांगी जी ग्रीष्मकालीन टूर्नामेंट सहित अन्य मैचों में नियमित रहते। विभागीय खेलकूद में भी ऑल इण्डिया स्तर पर इनका प्रदर्शन रहा और कलकत्ता तक गये।

मूविंग स्कूल की तरह पूरा जीवन मूविंग रहने वाले रमेश सिंह जी सामाजिक कार्यों में सक्रिय हैं और उनका सबको यही सन्देश है- भली आदतों के साथ रहना है। इसके लिये कठिनाई जरूर है लेकिन यही सत्य का रास्ता है।

पंचाचूली की तलहटी पर कीड़ाजड़ी विदोहन पर रोक की मांग

मुनस्यारी। कीड़ाजड़ी के सीजन पर राप्ती और गैला के लोगों के बीच विवाद बढ़ने से दोनों ग्राम वन पंचायत में अपनी सीमा का दावा करते हुए पंचाचूली की तलहटी पर कीड़ाजड़ी विदोहन पर रोक की मांग की है।

राप्ती के ग्रामीणों का कहना है कि हर बाद कीड़ा जड़ी दोहन को लेकर विवाद होता है। ऐसे में इस पर रोक लगाते हुए इसका उचित हल निकालना चाहिए। ग्रामीणों ने धर्मेन्द्र कुमैया के नेतृत्व में रेंज अधिकारी लवराज सिंह पांगती को ज्ञापन देते हुए कहा कि यदि कीड़ाजड़ी दोहन पर रोक नहीं लगाई गई तो आन्दोलन होगा। कहा कि गैला और राप्ती के ग्रामीणों का पंचाचूली की तलहटी में कीड़ाजड़ी दोहन को लेकर कई बार विवाद हो चुका है। वन विभाग यह तय नहीं कर पा रहा है कि यह वन क्षेत्र किस गांव के अधिकार में है। ऐसे में विवाद कभी भी बड़ी घटना का रूप ले सकता है। इसलिये विभाग को तुरन्त हस्तक्षेप कर कार्रवाई करनी चाहिये।

सुरक्षा की दृष्टि से ट्रान्सफॉर्मर हटेगा

जौलजीबी। बाजार क्षेत्र में स्थापित 250 केवीए ट्रान्सफॉर्मर को अन्यत्र स्थापित किया जाएगा। सामाजिक कार्यकर्ता श्रीमती शकुन्तला दताल के प्रार्थना पत्र पर उपखण्ड अधिकारी विद्युत वितरण धारचूला ने एसडीएम को पत्र भेजा है कि जौलजीबी मुख्य बाजार के किनारे लगे हुए ट्रान्सफॉर्मर को अन्य स्थापित करने को प्राकलन बनाए गये हैं। इसकी वित्तीय स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। इस हेतु 400 मीटर 11 केबी विद्युत लाइन का कार्य भी किया जाना प्रस्तावित है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

सावधान

चारधाम यात्रा पर साइबर ठगों की नजर

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

उत्तराखण्ड, जिसे देवभूमि या देवताओं की भूमि के नाम से भी जाना जाता है, मन्दिरों से भरा हुआ है और साल भर पर्यटकों का स्वागत करता है। उत्तराखण्ड की सबसे प्रसिद्ध धार्मिक यात्राओं में से एक चारधाम यात्रा है। यह तीर्थयात्रा श्रद्धालुओं को हिमालय की ऊँचाइयों पर स्थित चार पवित्र स्थलों- यमुनात्री, गंगोत्री, केदारनाथ (भगवान शिव को समर्पित) और बद्रीनाथ (भगवान विष्णु को समर्पित) की यात्रा कराती है। हिन्दी में 'चार धाम' का अर्थ 'चार निवास' होता है, जो इन धार्मिक स्थलों के महत्व को दर्शाता है। आजकल यात्रा डिजिटल हो चुकी है। सब कुछ ऑनलाइन बुक होता है इसी बात का फायदा उठाते हैं स्कैमर्स, साइबर फ्रॉड करने वाले लोग, हूबहू वैसी डिजाइन के फेक वेब। चारधाम यात्रा के लिए पंजीकरण शुरू होते ही साइबर ठगों ने भी अपने जाल बिछाने शुरू कर दिए हैं। देश में साइबर क्राइम के मामले दिन प्रतिदिन बढ़ते जा रहे हैं। एक तरफ जहाँ डिजिटल इण्डिया के सपने को साकार करने के लिए लोग तेजी से इन्टरनेट और तकनीकी सेवाओं का उपयोग कर रहे हैं, वहीं दूसरी ओर जालसाज और साइबर अपराधी इस डिजिटल युग का नाजायज़ फायदा उठा रहे हैं। आश्चर्य और चिन्ता की बात तो यह है कि पढ़े-लिखें लोग इस ढगी का सबसे अधिक शिकार हो रहे हैं, हालाँकि इससे भी अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन ठगों के आगे सरकारी तन्त्र पूरी तरह विफल और लाचार नजर आता है। ऐसा इसलिए क्योंकि डिजिटल फ्राड से बचने के कुछ सुझावों के अतिरिक्त सरकार के पास, लोगों की गाढ़ी कमाई में सेंध लगाने वाले इन सेंधमारों को पकड़ने और सजा देने का कोई ठोस उपाय नहीं दिखता है। हर साल की तरह इस बार भी ठग श्र)ालुओं को निशाना बनाने के लिए नए-नए तरीके अपना रहे हैं. हेलीकाप्टर बुकिंग, होटल रिजर्वेशन और यात्र पंजीकरण के नाम पर नजल्ल वेबसाइट्स और कस्टमर केयर नंबर के जरिए लोगों से ठगी की जा रही है. उत्तराखंड साइबर पुलिस ने ऐसे गिरोहों पर नजर रखते हुए कार्रवाई तेज कर दी है और श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे केवल आधिकारिक वेबसाइट्स के माध्यम से ही बुकिंग और पंजीकरण कराएं। सोशल मीडिया प्लेटफार्म फेसबुक पर हेलीकॉप्टर सेवा देने वाली कम्पनी के नाम पर एक फर्जी अकाउंट सामने आया है। इस अकाउंट के जरिए चारधाम यात्रा पैकेज के नाम पर लोगों को ठगने की कोशिश की जा रही थी। जाँच में पता चला है कि यह फर्जी अकाउंट बिहार से आपरेट किया जा रहा है। साइबर पुलिस ने मामले की जाँच शुरू कर दी है और सम्बन्धित नेटवर्क को ट्रेस किया जा रहा है साइबर ठग इन्टरनेट पर फर्जी कस्टमर केयर नम्बर डालकर उन्हें आधिकारिक हेल्पलाइन के रूप में पेश कर रहे हैं। इन नम्बरों पर कॉल करने पर लोगों को झूठी जानकारी देकर बुकिंग के नाम पर पैसे ट्रांसफर करवाए जाते हैं। ठग सीमित सीट और विशेष छूट का लालच देकर लोगों पर जल्दबाजी का दबाव बनाते हैं, जिससे लोग बिना जाँच किए भुगतान कर देते हैं। चारधाम यात्रा की त्वरित बुकिंग कराने पर आकर्षक पैकेज और छूट वाले लिंक पर भरोसा करना जनप्रिय विहार कालोनी के वैद्यनाथ सिंह को महंगा पड़ गया। टिकट बुकिंग तो हुई नहीं, उल्टे जालसाजों 36 हजार रुपये ठग लिए। वैद्यनाथ की तरह और भी हैं, जो आकर्षक पैकेज के झांसे में आकर ठगी का शिकार हुए। इससे साफ है कि साइबर ठगों ने चारधाम यात्रा के नाम पर ठगी का जाल फैला दिया है। इसे लेकर गृह मंत्रलय की ओर से साइबर दोस्त हैंडल ने एक्स पर अलर्ट भी जारी किया है। चारधाम यात्र शुरू होने की तारीख नजदीक आते ही फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य इंटरनेट मीडिया प्लेटफार्म पर फर्जी ट्रैवल एजेंसियों के बुकिंग लिंक की बाढ़ आ गई है। जालसाज सस्ते पैकेज, वीआइपी दर्शन और हेलीकाप्टर सेवा का लालच देकर लोगों को फंसा रहे हैं। ठगों ने सरकारी पोर्टल जैसा ही इंटरफेस तैयार कर लिया है, जिससे आम लोग धोखा खा जा रहे हैं। जालसाज पहले इंटरनेट मीडिया पर विज्ञापन डालते हैं, फिर वाट्सएप या काल के जरिये सम्पर्क कर एडवांस भुगतान की मांग करते हैं। भुगतान होते ही उनका नम्बर बन्द हो जाता है या वे सम्पर्क से बाहर हो जा रहे हैं। यात्रा के दौरान होटल और हेलीकाप्टर की बुकिंग के नाम पर साइबर जालसाज लोगों को ज्यादा शिकार बनाते हैं। साइबर कमाण्डो बताते हैं एक दम्पती ने यात्रा के लिए होटल और हेलीकाप्टर से सात दिन का पैकेज बुक कराया। इसके बदले में 25 हजार रुपये भुगतान कर दिया। यात्रा की तिथि नजदीक आने पर सम्पर्क नम्बर बन्द बताने लगा। बाद में बुकिंग वाली साइट भी इन्टरनेट से गायब हो गई।

एसटीएफ के एसएसपी के मुताबिक इस साल यात्रा के शुरुआती दिनों में ही एसटीएफ ने 225 फर्जी वेबसाइट्स और लिंक को ब्लाक कर दिया है। 65 मोबाइल नम्बर और व्हाट्एप एकाउंट और 12 बैंक खाते ब्लाक कराए हैं।

2025 में पूरे सीजन में 156 वेबसाइट-पेज, 117 मोबाइल और 35 व्हाट्सएप नम्बर और 126 बैंक खातों पर कार्रवाई हुई थी। साल 2024 पूरे यात्रा सीजन में 80 वेबसाइट और 24 पेज ब्लाक किए गए थे। साथ ही 55 बैंक खाते सीज हुए थे। इधर, चारधाम यात्रा में ठगी के पांच मामले साइबर थाने पहुंच चुके हैं। इन्हें ठगी का शिकार बने लोगों ने दर्ज कराया है। एक मुकदमा साइबर थाना पुलिस अपनी ओर से दर्ज कर चुकी है। चारधाम यात्रा को लेकर भ्रामक जानकारी फैलाने पर यात्रा से जुड़े फर्जी सन्देश, वीडियो पोस्ट करने या उन्हें सोशल मीडिया पर साझा करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई होगी। पर्यटन विभाग ने अपनी विस्तृत आधिकारिक गाइडलाइन में इस सम्बन्ध में स्पष्ट चेतावनी दी है। गाइडलाइन में कहा गया है कि यात्रा से जुड़ी गलत सूचनाएं न केवल श्रद्धालुओं को भ्रमित करती हैं, बल्कि सार्वजनिक व्यवस्था व जनभावनाओं को भी प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में सोशल मीडिया पर हर सन्देश-वीडियो पर विभाग की पैनी नजर रहेगी हर साल केदारनाथ और हेमकुण्ड साहिब के लिए हेली सेवाओं का संचालन होता है, लेकिन फर्जी वेबसाइट्स और स्कैमर्स यात्रियों को ठगने में जुट जाते हैं। इसे रोकने के लिए उत्तराखण्ड साइबर सेल ने प्राथमिकता के आधार पर कई कदम उठाए हैं। वहीं साइबर पुलिस ने अपील की है कि यात्री केवल उत्तराखण्ड सरकार की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए ही बुकिंग करें। पिछले साल चारधाम यात्रा के नाम पर ठगी करने वाली 80 फर्जी वेबसाइट्स को बन्द किया गया था और 30 से अधिक फेक फेसबुक विज्ञापनों को हटाया गया था। इसके अलावा 50 से ज्यादा बैंक खातों को फ्रीज किया गया था। साइबर पुलिस ने कई ठगों को गिरफ्तार भी किया है, जिनके पास से मोबाइल फोन और लैपटाप बरामद हुए। पुलिस ने यात्रियों से आग्रह किया है कि ऑनलाइन आधार कार्ड या पैन कार्ड जैसी सम्वेदनशील जानकारी किसी के साथ शेयर न करें। प्रशासन और पुलिस की सतर्कता से उम्मीद है कि इस बार यात्रा सुचारु और सुरक्षित रहेगी।

कपाट खुलने पर प्रधानमंत्री का सन्देश

चारधाम यात्रा शुरू होने पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखण्ड आने वाले तीर्थ यात्रियों को 5 संकल्पों का पालन करने का अनुरोध किया है। कहा कि हिमालय गी गोद में विराजमान ये चारों धाम हमारी शाश्वत आस्था और विश्वास के दिव्य केन्द्र हैं। धाम व उसके आसपास स्वच्छता, नदियों की स्वच्छता, पावन धरा की गरिमर, स्वच्छता पर विशेष ध्यान दें।

सभी भक्त के समान हैं : मुख्यमंत्री

चारधाम यात्रा शुरू होने केदारनाथ धाम के कपाट खुलते ही मुख्य यजमान के रूप में पधारे मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने वीआईपी द्वार से दर्शन करने के आग्रह हको अस्वीकार करते हुए कहा- सभी भक्त समान हैं। सभी भक्तों के लिए सरल, सुगम एवं समान रूप से दर्शन की व्यवस्था के निर्देश भी दिये।

होमस्टे में व्यंजनों का स्वाद : पर्यटनमंत्री

यात्रा में आने वाले यात्रियों के लिये पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज का सन्देश है कि होमस्टे में पर्वतीय व्यंजन मडुआ, गहत, फाणू सुपाच्य भोजन का स्वाद लें।

ज्योतिष की बातें- 279

इस सप्ताह चन्द्रमा के अतिरिद्र अन्य किसी भी ग्रह का राशि परिवर्तन नहीं हो रहा है। सम्पूर्ण सप्ताह सूर्य उच्चराशि मेष में, शुक्र स्वराशि वृषभ में, मंगल मित्रराशि मीन में, बुध व शनि समराशि मेष व मीन में, गुरु शत्रुराशि मिथुन में गोचर करेंगे तथा चन्द्रमा इस सप्ताह वृश्चिक, धनु, मकर व कुम्भ राशि में क्रमशः गोचर करेगा। सभी सप्तग्रह इस सप्ताह मागह्ल रहेंगे।

ज्योतिष की बातें नामक इस स्थायी स्तम्भ में भिन्न-भिन्न ग्रहों का गोचर नल मन्त्रेश्वरख्त नलदीपिका नामक ग्रन्थ के आधार पर प्रस्तुत किया जाता है। यहाँ पर गोचर नल को स्थूल रूप से ही सही मानना चाहिए। व्यद्रि विशेष के लिए सूक्ष्म नलित उसकी जन्मकुण्डली, नवमांश कुण्डली, महादशा, अन्तर्दशा आदि पर निर्भर करता है। जिन जातकों के पास जन्म कुण्डली अथवा जन्म विवरण नहीं है, जिन्हें केवल अपनी राशि की ही जानकारी है, उन्हें इस गोचर नल से एक अनुमान अवश्य प्राप्त हो जाता है।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद्

सम्यक् विचार- 166

महिला आरक्षण कितना आवश्यक

संसद में भी अब महिला आरक्षण की तैयारी चल रही है। महिला आरक्षण के विषय में मूलभूत बातों पर भी ध्यान देना चाहिए। मेरी इन बातों से 'पिघलता हिमालय' समाचार पत्र के सम्पादक का अथवा पाठकों का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

1 महिला आरक्षण के लिए अभी तक किसी भी महिला संगठन ने मांग नहीं की है। महिलाओं के लिए ये महिलाप्रेमी पुरुषों की ही मांग है।

2 अभी भी महिलाओं को राजनीति में आने से किसने रोका है? इन्दिरा गांधी, मायावती, जयललिता, ममता बनर्जी, द्रौपदी मुर्मू आदि जो सर्वोच्च पदों पर विराजित हो चुकी हैं, क्या वे आरक्षण के बल पर ही आगे बढ़ सकीं ? जिनमें राजनैतिक योग्यता होती है वे बिना किसी आरक्षण के स्वयं ही आगे बढ़ जाती हैं।

3 जहाँ पर जिस विभाग में महिला आरक्षण लागू हो चुका है वहाँ पर महिलाओं की संख्या आधे से अधिक हो गई है क्योंकि एक तिहाई पदों पर केवल महिलाएं नियुक्त हो सकती हैं और शेष दो तिहाई पदों पर महिला और पुरुष दोनों ही आवेदक हो सकते हैं, इस कारण सरकारी नौकरियों आदि में महिलाओं का प्रतिशत 60-70 प्रतिशत तक हो गया है। इसी प्रकार संसद में एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित होने पर आधे से भी अधिक महिलाएं संसद में हो सकती हैं।

4 महिलाओं का आरक्षण लागू होने पर जो पुरुष सांसद हैं अधिकतर वही अपनी पत्नियों को किसी दूसरे चुनाव क्षेत्र से लड़वाकर संसद पहुचाएंगे। अर्थात् पति-पत्नी दोनों एक साथ चतुर्भुज रूप में संसद में प्रवेश करेंगे, कोई सत्तापक्ष से तो कोई विपक्ष से। इस प्रकार उनके चारों हाथों में सत्तारूपी लड्डू होगा।

5 लोग समझते हैं कि जब राजनीति में महिलाएं आएंगी तो राजनीति साफ-सुथरी हो जाएगी और महिलाओं का उद्धार होगा, ऐसा नहीं है। क्योंकि जहाँ-जहाँ पर महिलाएं मुख्यमन्त्री बनी हैं अथवा जिम्मेदार पद पर पहुँची हैं वहाँ पर महिलाओं की स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ, न तो समाज में नग्नता में कोई कमी आई, न ही महिलाओं के प्रति तथाकथित अपराधों में कोई कमी आई और न ही वहाँ की राजनीति साफ सुथरी हुई, बल्कि वहाँ पर भ्रष्टाचार का परिमाण दुगना हो जाता है।

6 पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं अधिक हिंसक, क्रूर और झगड़ालू होती हैं। यह बात मैं नहीं कह रहा हूँ बल्कि इसके लिए चाणक्य, राजा भर्तृहरि, विदुर व अन्य ऋषिप्रणीत ग्रन्थों का अवलोकन करना चाहिए।

अन्त में सबसे बड़ी बात यह है कि महिला आरक्षण के समर्थन के पीछे महिलाओं और पुरुषों के दिल के किसी कोने में, कहीं न कहीं, आजकल बहुप्रचलित 'लिव इन रिलेशन' की भावना ही काम करती है। अतः मेरे विचार से इस प्रकार के कहीं भी, किसी भी आरक्षण की आवश्यकता नहीं है। जो महिलाएं योग्य होंगी और स्वाभाविक रूप से राजनैतिक प्रवृत्ति रखने वाली होंगी वे स्वयं ही आगे बढ़ेंगी।

-ओंकार नाथ कोष्टा

धामी ही होंगे भाजपा का चेहरा

देहरादून। आगामी विधानसभा चुनाव में भाजपा की ओर से मु पुष्कर सिंह धामी ही चेहरा होंगे। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष न नवीन ने उत्तराखण्ड की राजनीतिक परिस्थितियों पर चर्चा क हुए कहा कि राज्य में पुष्कर सिंह धामी ही पार्टी का मुख्य चेहरा होंगे। उनके नेतृत्व में भाजपा विकास के नए कीर्तिमान स्थापित करेगी। उन्होंने धामी की कार्यशैली की सराहना की स्पष्ट किया कि धामी के युवा और ऊर्जावान नेतृत्व में प्रदेश बेहतर परिणाम मिल रहे हैं।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

एयरफोर्स की मदद से वनाग्नि रोकेंगे

हल्द्वानी। प्रमुख वन संरक्षक रंजन कुमार मिश्रा ने एफटीआई में हुई बैठक में कहा कि जंगलों की आग बुझाने में अब भारतीय वायुसेना और निजी हेलीकॉप्टर कम्पनियों की मदद ली जाएगी। बैठक में वनाग्नि नियंत्रण को व्यवस्था और रणनीति पर विस्तार से चर्चा हुई।

लॉ कालेज स्थानांतरण विरोध

नैनीताल। डॉ.राजेन्द्र प्रसाद विधि संकाय को नैनीताल से भीमताल स्थानान्तरित करने के प्रस्ताव के विरोध में छात्रों ने प्रदर्शन किया। छात्रों ने नारेबाजी करते हुए कुलपति को ज्ञापन सौंपकर प्रस्ताव पर पुनर्विचार की मांग की। कहा कि प्रवेश के समय संस्थान के स्थानान्तरण की किसी भी योजना की जानकारी उन्हें नहीं दी गई थी।

लीसा डिपो के पास धधके जंगल

लोहाघाट। बाराकोट ब्लाक के जंगलों में आग से नुकसान हुआ है। सिंगदा और लीसा डिपो के पास साल के घने जंगलों में आग तेज हवा के कारण काफी फैल गई। जिससे आग पर काबू पाने में दिक्कत भी हुई।

मंडी के आउटसोर्स कर्मियों को लाभ

रुद्रपुर। उत्तराखण्ड कृषि उत्पादन एवं विपणन बोर्ड की 41वीं बोर्ड बैठक में नौ प्रस्तावों को मंजूरी दी गई और 155 करोड़ रुपये का बजट पारित किया गया। बैठक में आउटसोर्स कर्मियों का मानदेय बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इससे करीब 300 कर्मचारियों को लाभ मिलेगा। इसके लिए वित्त नियन्त्रक की अध्यक्षता में एक कमेटी गठित की गई है।

होली प्रांगण निर्माण को मंजूरी

चम्पावत। पालिका तल्ली मादली वार्ड के कनलगांव में होली मेला प्रांगण निर्माण करेगी। राज्य वित्त आयोग मद से मिली 10.38 लाख रुपये की धनराशि से मेला प्रांगण और टिनशेड बनाया जायगा। इसके लिये टेण्डर प्रक्रिया शुरू हो गई है। पालिका चैयरमैन प्रेमा पाण्डेय ने बताया कि बोर्ड में पारित प्रस्तवों के अनुरूप राज्य वित्त आयोग से विभिन्न निर्माण कार्यों के निर्माण की संस्तुति दी गई है।

सभी सीटों पर लड़ेगी आप

किच्छा। आम आदमी पार्टी के प्रदेश प्रभारी महेन्द्र यादव ने घोषणा की है कि आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रदेशकी सभी 70 सीटों पर मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। पार्टी के विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन में बतौर मुख्य अतिथि यादन ने संगठन को मजबूत करने के लिये पुरानी कार्यकारिणी को भंग करने और सक्रिय कार्यकर्ताओं को नई जिम्मेदारी देने का ऐलान किया।

परिक्रमा

फचैऽक

गणेश पाण्डेय

ग्राम सभान भितर ह्वीं, खूब खसोटा खसोट सरकारि रूपैनक हुं यां, जग्ग जग्ग घोट्ल घोट जग्ग जग्ग घोट्ल घोट, क्वे लै यांपन चाणी न्हां गौनै लिजी बणी योजना, न कै मालम हराणी कां जांच तो कभै के नि हुनी, गड्डी इधर उधर ह्वीं को सुणल य काथ कैं जो, ग्राम सभा भीतर ह्वीं।

गैरवैशाली में जल भराव से मुक्ति मिलेगी

हल्द्वानी। गैरवैशाली क्षेत्र की 16 कॉलोनियों में बरसात के दौरान जलभराव की समस्या से राहत मिलेगी। वन चौकी से बरसाती नाले के डायवर्जन कार्य का दूसरा चरण शुरू हो चुका है। 1.88 करोड़ रुपये की लागत से 196 मीटर लम्बे नाले एवं डिसिल्टिंग टैंक का निर्माण किया जा रहा है। इससे क्षेत्र की 16 कॉलोनियों को बरसात में होने वाले जल भराव से निजात मिलने की उम्मीद है। इस परियोजना को लेकर पूर्व में क्षेत्रवासियों ने देवकीबिहार विकास समिति के अध्यक्ष रमेश चन्द्र पाण्डे के नेतृत्व में आन्दोलन किया था। इसके बाद प्रशासन ने कार्य योजना तैयार कर प्रथम चरण में 96.24 लाख रुपये की स्वीकृति दी थी, जिसके तहत 143 मीटर कार्य पूरा किया गया था। दूसरे चरण का कार्य बजट के अभाव में रुका हुआ था, जिसे विधायक बंशीधर भगत के प्रयास व डीएम की स्वीकृति के बाद जारी किया गया है।

पर्यटन गतिविधियों को बढ़ाने पर चर्चा

पिथौरागढ़। शहर के लन्दन फोर्ट में पिथौरागढ़ पर्यटन एसोसिएशन की बैठक में होटल और पर्यटन कारोबार से जुड़े लोगों ने पर्यटन गतिविधियों पर चर्चा की। सभी ने कहा कि सीमान्त जिले में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं। जिले में साहसिक पयटन और बर्ड वॉचिंग शुरू होने से इसे नई पहचान मिलेगी। सीमान्त जिले को यदि टूरिज्म डेस्टिनेशन के तौर पर विकसित किया जाए तो इससे यहाँ के पर्यटन को नई पहचान मिलेगी। वहीं इससे रोजगार के अवसर भी खुलेंगे।

बैठक में सभी ने कहा कि सीमान्त जिला आध्यात्मिक दृष्टि से भी पर्यटन का केन्द्र है। थलकेदार, दारमा, जोहार घाटी जैसे धार्मिक पर्यटन केन्द्र हैं। यदि इनमें पर्यटकों के लिए सुविधाओं का विस्तार हो जाए तो इनकी संख्या बढ़ेगी और जिले को पर्यटन की दिशा में गति मिलेगी। बैठक में पीटीए के सलाहकार शेकर सिंह, किरन चन्द भी मौजूद थे।

स्पोर्ट्स कालूजों में ट्रायल 16 मई से

हल्द्वानी। प्रदेश सरकार की ओर से संचालित स्पोर्ट्स कॉलेज में कक्षा 6 में प्रवेश के लिए प्रारम्भिक चयन ट्रायल 15 मई से 23 मई तक होगा। इसकी शुरुआत 16 मई को रुद्रपुर, 17 को रामनगर, 18 को हल्द्वानी, 19 को अल्मोड़ा, 20 को बागेश्वर, 21 को पिथौरागढ़, 22 मई को लोहाघाट और 23 मई ाके टनकपुर में ट्रायल आयोजित होंगे। इस दौरान बालकों के लिए एथलेटिक्स, बैडमिंटन, क्रिकेट, फुटबाल, जूडो, हॉकी, बॉलीबाल, जिम्नास्टिक, तैरानी, निशानेबाजी और आइस स्पोर्ट्स में चयन किया जायेगा। वहीं बालिकाओं के लिये एथलेटिक्स, बाक्सिंग और बैडमिंटन में ट्रायल होंगे।

प्रवेश के लिए आयु सीमा 11 से 13 वर्ष तय की गई है। अभ्यर्थी का जन्म 1 जुलाई 2013 से 1 जुलाई 2015 के बीच होना चाहिए। इच्छुक अभ्यर्थियों को 10 मई 2026 तक पंजीकरण कराना होगा।

बाजपुर में विधायक के खिलाफ मोर्चा

बाजपुर। ग्राम सेमलपुरी के जनजाति भूमि प्रकरण तूल पकड़ता जा रहा है। भूमि पर काबिज किसान परिवार और किसान संगठनों ने गदरपुर विधायक अरविन्द पाण्डेय के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। किसान संगठनों के साथ पीड़ित परिवार उपजिलाधिकारी कार्यालय में जाकर आत्महत्या तक की चेतावनी दे चुका है। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने एसडीएम कार्यालय में ताला लगाने का प्रयास तक किया, जिसे पुलिस ने रोका। इस तनावपूर्ण माहौल में सीओ विभव सैनी और कोतवाल नरेश चौहान ने प्रदर्शन कारियों को समझाया और एसडीएम ने नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। तब जाकर प्रदर्शनकारी शान्त हुए। इसकेबाद पीड़ित मक्खन सिंह पुत्र स्व. परमजीत सिंह निवासी ग्राम कुईखेड़ा, काशीपुर ने मुख्यमंत्री को सम्बोधित ज्ञापन एसडीएम के माध्यम से सौंपा। जिसमें बताया गया है कि वर्ष 2022 में उन्होंने 3 एकड़ 15 डिस्मिल भूमि खरीदी। बाद में पता चला यह भूमि पहले अतुल पाण्डे ने बुक्सा समाज से अपने नाम कराई थी।

सत्येन्द्र गुड़िया की 16 वीं पुण्यतिथि

काशीपुर। सत्येन्द्र गुड़िया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एण्ड लॉ कॉलेज संस्थान के संस्थापक स्व. सत्येन्द्र चन्द्र गुड़िया की 16वीं पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने स्व. गुड़िया की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस दौरान उन्होंने विधायक निधि से नवनिर्मित 'पं. नारायण दत्त तिवारी स्मृति पुस्तकालय कक्ष' का लोकार्पण भी किया। आर्य ने पं. तिवारी और पं. गुड़िया के प्रगाढ़ सम्बन्धों को याद करते हुए कहा कि काशीपुर के विकास में इन दोनों विभूतियों का योगदान सदैव अविस्मरणीय रहेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता अनुपम शर्मा, अरुण चौहान, अर्पित मेहरोत्रा, मुशर्रफ हुसैन, जय सिंह गौतम, अलका पाल, इन्दुमान, जितेन्द्र सरस्वती, सौरभ शर्मा एडवोकेट, महेन्द्र बेदी, संदीप सहगल, उमेश जोश एडवोकेट, मनोज जोश एडवोकेट, उषा चौधरी, मुक्ता सिंह, राजू छीना, सुरेश शर्मा, सरदार कश्मीर सिंह, फिरोज हुसैन मौजूद थे।

भीमताल, कैंचीधाम का ट्रैफिक प्लान

हल्द्वानी। कैंचीधाम, भवाली और भीमताल क्षेत्र में वीकेंड पर बढ़ने वाले यातायात दबाव को देखते हुए पुलिस ने विशेष ट्रैफिक और डायवर्जन प्लान लागू किया है। यह व्यवस्था शनिवार और रविवार को सुगम यातायात मिल सके।

योजना के अनुसार अल्मोड़ा और रानीखेत की ओर से हल्द्वानी आने वाले भारी वाहनों को क्वारब और खैरना से डायवर्ट कर रामगढ़-मुक्तेश्वर मार्ग से भेजा जाएगा, ताकि कैंची धाम और भवाली क्षेत्र में जाम की स्थिति न बने। वहीं हल्द्वानी से पर्वतीय क्षेत्रों को जाने वाले आवश्यक सेवाओं के भारी वाहनों को निर्धारित मार्ग से जाने की अनुमति रहेगी, जबकि अन्य भारी वाहनों को यातायात दबाव के अनुसार मस्जिद तिराहा, भवाली से पहले रोका जा सकता है या रामगढ़ और खुटानी मार्ग से डायवर्ट किया जाएगा। भीमताल मार्ग से कैंची जाने वाले पर्यटकों के निजी वाहनों को भीमताल स्थित विकास भवन पार्किंग में खड़ा कराया जाएगा। यहाँ से शटल सेवा उपलब्ध रहेगी।

केवि की मांग को लेकर अनशन

अल्मोड़ा। द्वाराहाट में केन्द्रीय विद्यालय के संचालन मांग को लेकर क्षेत्रवासियों ने मोर्चा खोल दिया है। दो वर्ष पूर्व स्वीकृति मिलने के बाद भी केन्द्रीय विद्यालय का संचालन शुरू नहीं हो सका, इससे नाराज लोगों ने नारेबाजी करते हुए अनशन शुरू कर दिया।

खुले में सीवर से बीमारी का खतरा

अस्कोट। बीआरओ कैम्प में लाइन में रिसाव से सीवर खुले में बह रहा है, जिससे आसपास दुर्गन्ध से लोग बीमारी का खतरा बढ़ चुका है। क्षेत्रवासियों ने बीआरटीएफ कम्पनी कमाण्डेंट से मुलाकात कर इसे ठीक करवाने को कहा, जिस पर उन्होंने शीघ्र को कहा।

भ्रामक वीडियो पर एफआईआर

देहरादून। सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर चारधाम यात्रा के सम्बन्ध में कुछ असमाजिक तत्वों द्वारा भ्रामक, अपुष्ट एवं तथ्यहीन वीडियो/सामग्री प्रसारित कर लोगों को भ्रमित करने तथा राज्य की छवि धूमिल करने का प्रयास का मामला सामने आने पर पूर्व में दर्ज प्रकरणों के कम में रुद्रपुर में दो और प्राथमिकी दर्ज की गई हैं।

हंगामा करता पार्षद पुलिस ने पकड़ा

रुद्रपुर। थाना ट्रांजिट कैम्प क्षेत्र में भाजपा पार्षद द्वारा पुलिस के साथ हंगामा करने पर उसे हिरासत में लिया गया। बताया जा रहा है वह नशे की हालत में था।

श्रद्धांजलि

वृजमोहन उप्रेती

गंगोलीहाट। कुंजनपुर निवासी वृजमोहन उप्रेती का विगत दिवस निधन हो गया। लम्बे समय से अस्वस्थ्य चल रहे 68 वर्षीय सेवानिवृत्त पुलिस उपनिरीक्षक वृजमोहन अपने सरल व्यवहार के लिये जाने जाते थे। पिघलता हिमालय परिवार स्व. वृजमोहन उप्रेती को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

राम सिंह कार्की

बेरीनाग। देश के लिये दो युद्ध लड़ने वाले हीपा गांव के पूर्व सैनिक 86 वर्षीय राम सिंह कार्की का लम्बी बीमारी के बाद निधन हो गया है। वर्ष 1962, 1965 के युद्ध में शामिल कार्की जी के दोनों पुत्र गोविन्द सिंह, लक्ष्मण सिंह सेवानिवृत्त हो चुके हैं। पिघलता हिमालय परिवार स्व. राम सिंह कार्की को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

जानकी देवी

पिथौरागढ़। पत्रकार और सामाजिक कार्यों में सक्रिय जगदीश कालौनी की माता श्रीमती जानकी देवी का 90 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। पिघलता हिमालय परिवार स्व. जानकी देवी को श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

आ निनुरी.....

प्रथम पृष्ठ का शेष

वह जितना मेहनती था, उसकी पत्नी उतनी ही आलसी। एक दिन पिरमू व रूपा में इस बात को लेकर झगड़ा हो गया कि रूपा खेतीबाड़ी के काम में उनका हाथ क्यों नहीं बटाती? रूपा ने साफ-साफ कह किदया कि वह आज से न तो भोजन करेगी और न ही कोई काम। अब, जब रूपा भोजन ही नहीं करती, तो उससे काम करने के लिये कहना व्यर्थ था। पिरमू सुबह खेत में निकल जाता और शाम को अन्धेरे में घर लौटता। वह रूपा को सोती छोड़ जाता और शाम को उसे वह सोती ही मिलती। इस प्रकार कई महीने गुजर गये। इस दौरान किसी ने भी रूप को न तो काम करते हुए देखा था और न ही खाते हुए। पर सब यह देख कर हैरान थे कि अन्न-जल ग्रहण न करने पर भी वह दुबली क्यों नहीं हुई? अत: पिरमू को सन्देह हो गया कि उसके खेत पर चले जाने के बाद रूपा खाना तैयार करके अवश्य खाती होगी। एक दिन उसने रूपा से कहा हव महाकाली के दर्शन के लिये गंगोलीहाट की यात्रा पर जा रहा है और लौटने में पन्द्रह दिन लग जायेंगे। उसने पन्द्रह दिन की यात्रा का सामान, कपड़े इत्यादि एक पोटली में बाँधे और घर से चल दिया। वह आश्वस्त हो गई कि अब उसका पति कम से कम पन्द्रह दिन बाहर रेगा। वह बिस्तर से उठी और उसने अपने लिये तरह-तरह के पकवान तैयार किये। जब वह पकवान तैयार करने में व्यस्त थी उसी समय पिरमू दूसरे रास्ते से चुपचाप आकर छत पर चला गया। रोशनदान से उसने देखा कि रूपा तरह-तरह के पकवानों को पूरी निश्चिन्तता के साथ सेवन कर रही है। यह देख वह दबे पाँव वापस चला गया। कुछ देर जंगल में रुक कर वह अपनी पोटली सहित उसी रास्ते वापस आया जिस रास्ते पर रूपा ने उसे पिछली बार जाते हुये देखा था। रूपा भोजनोपरान्त बर्तन चौका करकके निवृत्त हुई ही थी कि उसे पहाड़ी के अन्तिम छोर पर पिरमू आता दिखाई दिया। वह बिना कोई क्षण गंवाए फिर खाट पर लेट गई। पिरमू जब घर में पहुँचा तो उसके बदन में अजीब सी कम्पन था। वह कुछ यूं बड़बड़ा भी रहा था- ''हाट जाने का अभी हुक्म नहीं है। देवी ने सब कुछ बता दिया है। वह अनर्थ है, यह अनर्थ है, पत्नी खाए खीर पकवान, पति जाये खेत खलिहान। खीर बनी, भात बना, दाल बनी, ये बना वो बना.....'' रूपा स्तब्ध रह गई। उसने पति को दूर जाते हुए भी देखा था और आते हुए भी। उसने पिरमू से ये क्षमा मांग ली तथा प्रतिज्ञा की कि वह आज ही से सारे काम करेगी।

उसी शाम वह पनघट पर गई। उसने अपने पति के 'अलौकिक ज्ञान' की दास्तान दूसरी औरतों को सुना दी। संयोग से एक औरत का बैल जंगल में कहीं खो गया था। काफी खोज करने पर भी नहीं मिला। अत: वह तुरन्त पिरमू के पास आकर अनुनय-विनय करने लगी कि वह उसे बता दे कि उसका बैल कहाँ गया। पिरमू ने कहा कि अभी उसे एक बहुत जरूरी काम से दूसरे गाँव जाना है, अत: शाम को आकर वह इस बारे में ध्यान लगायेगा। यह उसकी परीक्षा की घड़ी थी। वह-'दूसरे गाँव जा रहा हूँ' कह कर जंगल की ओर निकल गया। उसने पूरा जंगल छान डाला। जंगल में उसे खोया हुआ बैल मिल गया जो कि एक बेल में फंसा हुआ था। शाम को अन्धेरे में वह बैल को लेकर चुपचाप अपने गाँव आया और बैल को उस औरत के ही गन्ने के खेत में बिठा दिया जिसका कि वह था फिर पिरमू उसके घर पहुँचा। बदल कंपाता हुआ वह बड़बड़ाया- 'काला पत्थर रेत में बैल मिलेगा खेत में।' तुरन्त गन्ने के खेत में दिखवाया गया। इस प्रकार एक 'जानकार' के रूप में उसकी ख्याति दूर दूर तक फैल गई। वह अब पिरमू नहीं बल्कि आदर के साथ 'प्रेमपुजारी' कहलाया जाने लगा। अपने 'जानकार' होने की कई परीक्षा की घड़ियाँ वह किसी न किसी प्रकार पार करता रहा था। पर जब राजा के यहाँ से हार के सम्बन्ध में जानकारी देने के लिये उसे बुलाया गया तो उसके होश उड़ने लगे। वह कोई 'जानकार' तो था नहीं। राजा के यहाँ भेद खुल जाने पर जो विपत्ति आ सकती थी उसकी कल्पना मात्र से वह विचलित था। राजा का हुक्म टाला भी नहीं जा सकता था। राज दरबार में वह असलियत बता भी नहीं सकता था, क्योंकि वह लोगों की नजर में एकदम गिर जाता और धोखा धड़ी की जो सजा मिलती, वह अलग।

किसी तरह दिल मजबूत करते हुये वह राज दरबार पहुँचा। वहाँ पर उसका विद्वानर एवं ज्योतिषियों की भाँति सत्कार हुआ। वह मन ही मन इस कठिन परीक्षा को पार करने की तरकीबें सोचता रहा परन्तु कोई भी तरकीब नहीं नजर आती थी। प्रेम पुजारी से जब हार-प्रकरण की 'जानकारी' के सम्बन्ध में पूछा गया तो उसने कह दिया- 'यह अनुष्ठान रात्रिकाल में नहीं हो सकता। कल सूर्योदय होते ही अनुष्ठान किया जायेगा।' इसके पीछे आशय यह था कि एक तो रात भर सोचने का समय मिल जायेगा। दूसरे कम से कम एक दिन चैन से जिन्दा रहा जाए, क्योंकि राजा ने ऐलान कर दिया था कि हार का पता चल गया तो उपहार में कई गाँव दिये जायेंगे, और ठीक पता न बताया तो मृत्युदण्ड निश्चित रूप से दिया जायेगा।

रात को उसे महल के एक बड़े हालनुमा कमरे में आरामदेह बिस्तर पर सुलाया गया। सेवा के लिये दास दासियाँ लगाई गइ।, रात को सोने से पहले किसी ने उसके पैर दबाये, किसी ने मालिश की। वह बार-बार सोने का प्रयत्न करता पर उसे नींद कहाँ? करवट बदलते हुए उसने हताश स्वर में कहा- 'आ निनुरी, कल मेरी दिनुरी' (एक नींद! आजा, कल मेरा अन्तिम दिन है।) दास दासियाँ हाल के दूसरे किनारे पर गहन निद्रा में सोई थी परन्तु एक दासी व उसका पति जगे हुए थे। वह भी सो नहीं पा रहे थे। 'जा निनुरी कल मेरी दिनुरी' सुनते ही वे चौंके और चुपचाप प्रेम पुजारी के पास आये। उसके पैर पकड़ते हुए दास बोला- 'देवता! मेरा नाम दिनुरी है और मेरी पत्नी का निनुरी। आप सर्वज्ञाता हैं आपको हमारा नाम मालूम हो गया है। अब हमारी खैर नहीं। हार हमने ही रखा है। यह हार हमने चुराया नहीं था। हमें तो रानी के कमरे तक जाने की कभी छूट भी नहीं थी। हुआ यूं कि एक दिन रानी ने हार को धोया तथा लाल कपड़े में बांध कर सुखाने के लिये खिड़की पर रखा। इसी बीच एक कौआ उसे उठाकर ले गया और हमारी झोपड़ी के पास पेड़ पर बैठा। इसमें उसके खाने की कोई चीज नहीं थी, इसलिये उसने इसे छोड़ दिया। हार हमारे आँगन में गिरा। रानी को ख्याल था कि उन्होंने हार तिजोरी में रखा हुआ है। हम हार लौटा देते परन्तु हमारी बात पर कोई यकीन नहीं करता, और हम पर विपत्ति आ जाती। हमने वह हार राजमहल के आँगन के ही एक कौने में खड़े नीम के पेड़ की खोह में रख दिया है। हार तो मिल जायेगा परन्तु आप हमारे बच्चों पर दया करते हुए हमारा नाम इस चोरी के सम्बन्ध में न बताएं। हमारी मौत निश्चित है। प्रेम पुजारी अन्दर ही अन्दर अत्यधिक प्रसन्न था, मौत वास्तव में उसकी भी टली थी और अब परीक्षा में खरा उतरने का गुर भी उसे मिल चुका था। फिर भी बड़ी लापरवाही दिखाते हुए उसने कहा- 'यह तो हमें यहाँ आते ही ज्ञात हो गया था कि हार कहाँ है और उसे वहाँ किसने रखा है, खैर तुमने वास्तव में हार चुराया नहीं है, इसलिये मैं बचन देता हूँ कि तुम्हारा नाम नहीं लूँगा।' संयोगवश ही प्रेम पुजारी की समस्या का समाधान हो गया था। वह रात भर निश्चिन्त होकर सोया। अगले दिन सुबह ही 'जानकारी' अनुष्ठान की पूरी तैयारी हो चुकी थी। राजा, रानी, मंत्री, अधिकारी, कर्मचारी तथा शहर के गणमान्य नर-नारी हार का सुराग पाने के लिये व्याकुल थे। एक एक पल मुश्किल से कट रहा था। आखिर वह घड़ी आ गई। सूरज की प्रथम किरण के साथ ही प्रेम पुजारी आसन में जा बैठा। धूप-दीप जलाकर उसने पूजा अर्चना की। फिर बदन में कम्पन सी पैदा हुई। उसने आँखें मूंद ली। वह बड़बड़ाया- 'दूर देश से कौआ आया, माला पर भरमाया' यह सुनते ही रानी चौंकी। उसे याद आया कि उसने माला सुखाने के लिये रखी थी। उसे पुजारी के अगले वाक्य का इन्तजार था। फिर पुजारी बड़बड़ाया- 'घर आंगन में नीम की खोह-उसमें छुपी-माया-मोह।' आँगन में एक ही नीम का पेड़ था, उसकी खोह में तुरन्त देखा गया। उसमें लाल कपड़े में लिपटी माला मिल गई। राजा रानी की प्रसन्नता का ठिकाना न रहा तथा प्रेम पुजारी की प्रतिष्ठा भी असीमित रूप से बढ़ गई। इस घटना के बाद पुजारी ने ऐलान कर दिया कि हार के लिये उसने अपना ज्ञान भण्डार पूर्ण रूप से लगा दिया है, अब उसके अन्दर 'जानकारी' की कोई शक्ति नहीं बची। अब भविष्य में उससे किसी बात की जानकारी देने के लिये न कहा जाए। वह वास्तव में और किसी संकट में नहीं पड़ना चाहता था।

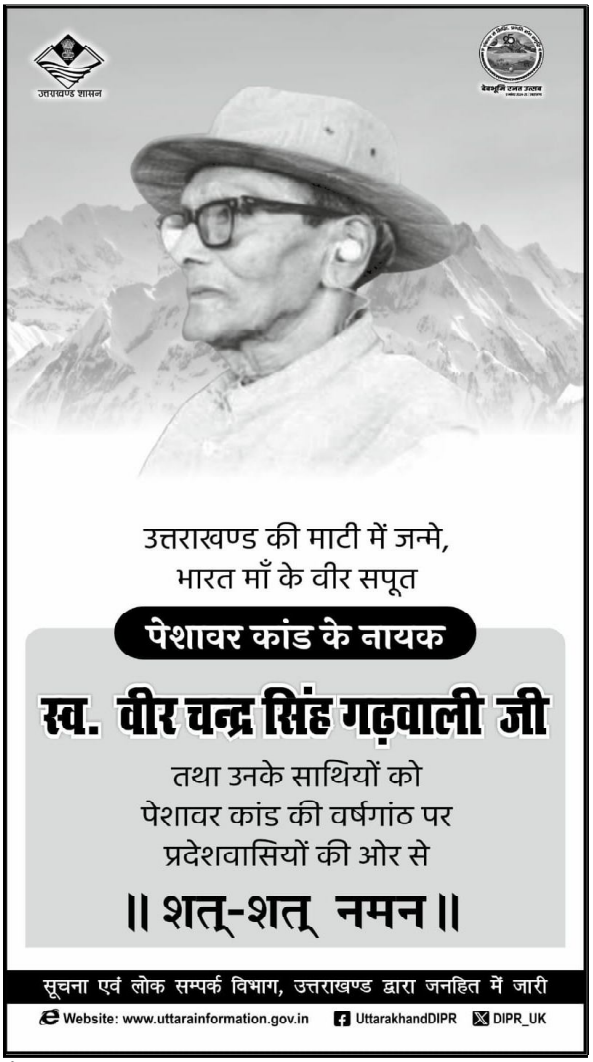

सीड बैंक से खेती का बढ़ावा और पारम्परिक बीजों को नया जीवन

देहरादून। उत्तराखण्ड में पारम्परिक खेती और बीज संरक्षण को बढ़ावा देने के लिए ग्राम्य विकास विभाग ने नई पहल की है। चमोली के 6 ब्लाक के 70 गांवों में कम्युनिटी सीड बैंक बनाए जाएंगे, इस योजना के तहत 690 परिवारों को चिन्हित किया गया है। ग्राम्य विकास सचिव धीराज गर्ब्याल ने बताया कि यह परियोजना प्रदेश की पारम्परिक बीज विनिमय व्यवस्था को पुनर्जीवित करेगी। पहले विवाह के समय दुल्हन अपने मायके से बीज और अनाज लेकर आती थी, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में बीजों का आदान-प्रदान होता था। फसलों की उत्पादकता बढ़ती थी। अब इसी परम्परा को कम्युनिटी सीड बैंक के रूप में आगे बढ़ाया जायेगा। योजना में फिलहाल करीब 317 हेक्टेयर क्षेत्र में पारम्परिक फसलें- लाल चावल, मडुवा, झंगोरा, राजमा, सोयाबीन, कालाभट्ट, बाजारा और जौ के बीज का उत्पादन होगा।

HIMALAYAN MUNSYARI STORE
Johar Nagar, Bhotia Padav, Haldwani
(एक छत के नीचे अपने हस्तशिल्प, कुटीर उद्योग के उत्पादों का विश्वसनीय प्रतिष्ठान)
मो.- 8755116161. 84779321316 वीरेन्द्र सिंह मपवाल

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

टिकट के लिये होने लगी है घम

विधानसभा चुनाव 2027 के लिये जैसे-जैसे एक-एक दिन नजदीक आता जा रहा है पार्टियों में टिकट के लिये घमासान बढ़ती जा रही है। राजनीति का खेल क्या न करा दे। सितारगंज से कांग्रेस ने नारायण पाल को मजबूत माना है लेकिन पिछले चुनाव के प्रत्याशी अपने समर्थकों के साथ दावा कर रहे हैं। कालाढूंगी सीट पर भाजपा की ओर से विधायक बंशीधर सहित अन्य नेता जोर में हैं। हल्द्वानी में टिकट की चाह में दोनों पार्टी में जोर व शोर है। भीमताल में लाखन सिंह के दबदबे के बाद कांग्रेस से हरीश पनेरू व अन्य फायर नेता के रूप में हैं। गंगोलीहाट सीट पर अपना माहौल बनाने को प्रचार का दौर है। डीडीहाट में टिकट को लेकर जोश है।

उत्तराखण्ड और हिमांचल प्रदेश आपसी सहयोग बढ़ाएंगे

देहरादून। पर्वतीय राज्यों की समान भौगोलिक परिस्थितियों, प्राकृतिक संचरना एवं आपदाओं की एक जैसी प्रवृत्ति को देखते हुए उत्तराखण्ड और हिमांचल प्रदेश ने आपदा प्रबन्धन के क्षेत्र में आपसी सहयोग को और अधिक सुदृढ़ बनाने पर सहमति व्यक्त की है। दोनों राज्य एक-दूसरे के अनुभवों, नवाचारों एवं कार्य प्रणाणियों से सीखते हुए भविष्य में आपसी सहयोग से कार्य करेंगे।

हिमाचल प्रदेश के अपर मुख्य सचिव कमलेश कुमार पन्त ने उत्तराखण्ड राज्य आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण (यूएसडीएमए) का भ्रमण किया। सचिव आपदा प्रबन्धन एवं पुनर्वास विनोद कुमार सुमन ने उत्तराखण्ड में आपदा न्यूनीकरण, पूर्व तैयारी, त्वरित प्रतिक्रिया, जोखिम आकलन तथा जनजागरूकता के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की विस्तृत जानकारी की। एपीएस पन्त ने कहा कि हिमाचल प्रदेश एवं उत्तराखण्ड दोनों ही राज्य भौगोलिक दृष्टि से अत्यन्त सम्वेदनशील हैं, जहाँ भूस्खलन, अतिवृष्टि, बादल फटना, बाढ़ एवं भूकम्प जैसी आपदाएं बार-बार सामने आती हैं। ऐसी परिस्थितियों में दोनों राज्यों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान अत्यन्त आवश्यक है, जिससे आपदाओं के प्रभाव को न्यूनतम किया जा सके। उन्होंने हिमालयी क्षेत्रों में बढ़ते हिमनद झील विस्फोट बाढ़ के जोखिम को देखते हुए हिमाचल प्रदेश में इस दिशा में किए जा रहे कार्यों को साझा किया।

6 साल बाद जून में शुरू होगा भारत-चीन व्यापार

पिथौरागढ़। लम्बे इन्तजार के बाद इस बार जून में भारत-चीन व्यापार शुरू होने जा रहा है। इसके लिये व्यापारियों को लिपुलेख दर्रे से जाने हेतु इनर लाइन परमिट जारी होंगे। इससे आगे तकलाकोट मण्डी पहुंचने के लिए व्यापारियों को ट्रेड पास बनाना होगा।

भारत-चीन व्यापार को लेकर कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी आशीष भटगाई की अध्यक्षता में हुई बैठक में डीएम ने कहा कि विदेश मंत्रालय से लिपुलेख दर्रे से व्यापार शुरू करने की हरी झण्डी पहले ही मिल चुकी है। जून के प्रथम सप्ताह से सितम्बर तक व्यापार चलेगा। व्यापार की व्यवस्था पूर्व की तरह होगी। व्यापारियों को लिपुलेख तक पहुंचने के लिए इनर लाइन परमिट जारी किए जाएंगे। जिन व्यापारियों का जीएसटी में पंजीकरण होगा वही व्यापार के लिए अधिकृत होंगे।

बैठक में व्यापारियों ने कहा कि मालपा के पास भूधंसाव हो रहा है। व्यापार से पहले इस समस्या को दूर करना जरूरी है। डीएम ने सम्बन्धित अधिकारियों को व्यापार शुरू होने से पहले संचार, सड़क सहित अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को पूरा करने के निर्देश दिये। बैठक में एसपी अक्षय कोंडे, एडीएम योगेन्द्र सिंह, एसडीएम जितेन्द्र वर्मा, भारत-चीन व्यापार समिति के अध्यक्ष जीवन सिंह राैकली, महासचिव दौलत सिंह रायपा, रतनसिंह रायपा आदि थे।

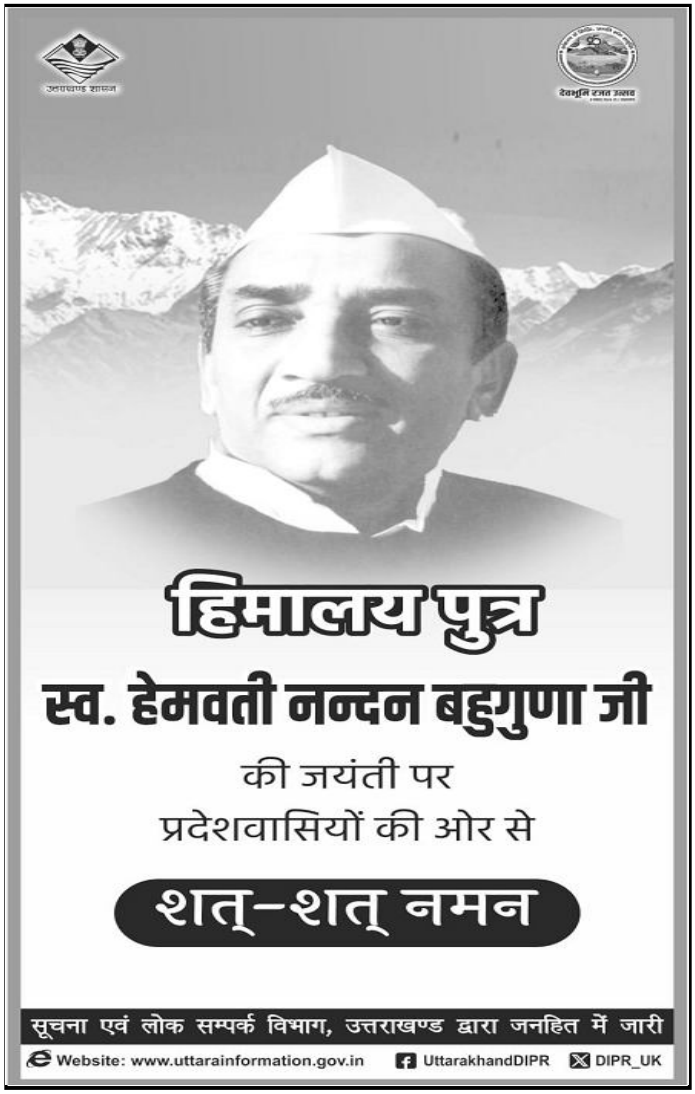

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

धमोत होम स्टे
धरमघर/चौकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग, माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148 www.mountainheights.in

न तेरा न मेरा Thats
APNA GHAR
चौकोड़ी
HOTEL RESTRO BANQUET
Near by- (माँ कोटगाड़ी, नौलिंग देव, पातालभुवनेश्वर)
पितृछाया- स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व. जोगासिंह मर्तोलिया
मो. 9458920379
6396098804
YOGA
MEDITATION
HOMELY
FOOD
LIVE
MUSIC
BIRTHDAY
WEDDING

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
मो.- 8958525979, 9411134775

घर से बाहर अपनों का साथ
होटल लक्ष्य इन
मदकोट
नरेन्द्र सिंह रावत
सम्पर्क 7351285555

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल) से मुद्रित।

सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/मोबाइल 9458961490, 9411770280, 9411301014,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)